नियमित सेवाएं उपलब्ध
डॉ. अभिषेक गुप्ता
M.B.B.S., M.D. (Respiratory Medicine)
पूर्व चिकित्सक, पीबीएम हॉस्पिटल, बीकानेर
Bronchoscopy Indications
(फेफड़े की बीमारी के लक्षण)
की जांच सुविधा उपलब्ध
- लम्बे समय से खांसी होना
- बिगड़ा हुआ निमोनिया
- लम्बे समय से टीबी
- खांसी में खून आना
- फेफड़ों में कैंसर के लक्षण
टांटिया जनरल हॉस्पीटल
सुखाड़िया मार्ग, श्रीगंगानगर,
94134-60298, 94139-50724

टी मीडिया

tmedia@tantiauniversity.com

टांटिया समूह, श्रीगंगानगर का गौरवशाली प्रकाशन

बीकानेर सम्भाग में पहली बार
विश्व की अत्याधुनिक व बड़ी
M.R.I. (एम.आर.आई.)
1.5 Tesla (16 Channel)
मशीन द्वारा
जांच अब
श्रीगंगानगर में

टांटिया जनरल हॉस्पिटल
सुखाड़िया मार्ग, श्रीगंगानगर
0154-2481505, 94139-50724
आपातकालीन सुविधाएं 24 घंटे उपलब्ध

वर्ष : 01 | अंक : 02 | पाक्षिक | श्रीगंगानगर | 30 जून, 2020 | मोबाइल : 9461221718, 8005519250

खुशखबरी

राज्यकर्मियों व पेंशनर्स के उपचार के लिए अधिकृत हुआ जन सेवा हॉस्पिटल

श्रीगंगानगर।

डॉ. एसएस टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) को राजस्थान सरकार के अधिकारियों-कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के उपचार के लिए अधिकृत किया गया है। राज्य सरकार ने इस संबंध में एक आदेश जारी करते हुए प्रदेशभर के कुल सात चिकित्सा केंद्रों को अधिकृत हॉस्पिटलों की सूची में शामिल किया है, जिनमें श्रीगंगानगर से जन सेवा हॉस्पिटल को मल्टीस्पैशिलिटी फैसिलिटी के लिए अधिकृत किया गया है।

निदेशक डॉ. मोहित टांटिया ने बताया कि रियायती दरों पर आमजन को विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवा रहे जन सेवा हॉस्पिटल का राज्य के शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए अधिकृत होना निश्चित ही हर्ष व गर्व का विषय है। आगामी पांच वर्ष तक के लिए प्रभावी रहने वाले इन आदेशों की पालना में सभी औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए राज्यकर्मियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।

डॉ. टांटिया ने सभी राज्यकर्मियों व उनके परिजनों के सुखद-स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए कहा है कि कभी भी हॉस्पिटल आने की आवश्यकता पड़ने पर राज्यकर्मियों को बिलों व उनके भुगतान संबंधी प्रक्रिया में सहयोग के लिए हॉस्पिटल के टीपीए व इंश्योरेंस मैनेजर गुरप्रीतसिंह नियुक्त किए गए हैं।

लगभग दो दर्जन प्रमुख बीमा कम्पनियों से अधिकृत-

डॉ. एस एस टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) देश की लगभग दो दर्जन प्रमुख बीमा कम्पनियों के बीमा प्रकरणों के लिए अधिकृत है। जिन बीमाधारकों ने इन कंपनियों के हेल्थ या टर्म इंश्योरेंस ले रखे हैं, उनको पूरा लाभ मिल रहा है। हॉस्पिटल के टीपीए एंड इंश्योरेंस मैनेजर गुरप्रीत सिंह के अनुसार कैश लैस के अंतर्गत सभी तरह की जांचें एवं लेबोरेट्री की सुविधा भी शामिल हैं। कैश लैस में सारा पैसा संबंधित बीमा कम्पनी देती है। प्री हेल्थ के तहत बीमा कम्पनियां बीमा के आवेदकों के स्वास्थ्य की पूरी जांच करवाती हैं, इस मेडिकल चेकअप के लिए भी जन सेवा हॉस्पिटल को अनेक प्रमुख बीमा कम्पनियों ने अधिकृत कर रखा है। बीमा कम्पनियों के पुनर्भरण (रिअम्बर्समेंट) के बिल भी हॉस्पिटल में पास होते हैं। आयुष्मान भारत महात्मा गांधी राजस्थान स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत कार्डधारकों को जन सेवा हॉस्पिटल में निःशुल्क सेवा उपलब्ध है, इन कार्डधारकों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की जा रही है।

गुरप्रीत सिंह

श्री सिंह के अनुसार एचडीएफसी इरगो जनरल इश्योरेंस कम्पनी, स्टार हेल्थ इंश्योरेंस टीपीए, रिलीगेर हेल्थ केयर इंश्योरेंस, फ्यूचर जनरल इंडिया इंश्योरेंस कॉम, अपोलो मुनीच हेल्थ इंश्योरेंस, विजिन-इ-मेडि सोल्युशन्स इंश्योरेंस टीपीए, इंडस हेल्थ प्लस टीपीए, जिनिनस इंडिया इंश्योरेंस टीपीए लिमिटेड, ग्रांड इंश्योरेंस टीपीए, डोक एप प्राइम, सनराइज मेडिकॉर्प सोल्यूशन, आदित्या बिड़ला, चोला एम.एस. जनरल इंश्योरेंस, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जैसी कंपनियां कैश लैस की सूची में शामिल हैं, जबकि गो वेलनेक्सट हेल्थ टीपीए, मेडि कंसलटेन्टस प्राइवेट लिमिटेड, मेडि असिसट टीपीए प्राइवेट लिमिटेड, 360 डिग्री हेल्थ केयर, आरएचसीएल हेल्थ केयर, हेल्थ एशोयर टीपीए, एमडी इंडिया टीपीए प्राइवेट लिमिटेड कम्पनियों ने जन सेवा हॉस्पिटल को प्री हेल्थ के लिए अधिकृत कर रखा है।

टांटिया विश्वविद्यालय परिसर में दिखाई देती है पूरे हिन्दुस्तान की झलक

गुणवत्ता व विश्वसनीयता का पर्याय, चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उत्तर भारत का सबसे बड़ा केंद्र

श्रीगंगानगर।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं विश्वसनीयता के पर्याय बने टांटिया विश्वविद्यालय में मिनि भारत नजर आता है। राजस्थान के विभिन्न हिस्सों के अलावा पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, गुजरात, बिहार, उत्तर-पूर्वी राज्य असम, अरूणाचल, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर के अलावा नेपाल तक के विद्यार्थी यहां शिक्षा अर्जित कर रहे हैं। अलग-अलग संस्कृति और परम्पराओं के बावजूद इन सभी विद्यार्थियों का एक ही मकसद, जीवन संवारना-कॅरियर बनाना है, जिनके सपने को टांटिया विश्वविद्यालय साकार कर रहा है। वास्तव में उनके लिए यह सच्ची और सही डगर साबित हो रहा है।

श्रीगंगानगर को एज्युकेशन हब के रूप में स्थापित करने में टांटिया विश्वविद्यालय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सभी संकाय अपने यहां अध्ययनरत विद्यार्थियों की अपेक्षाओं को पूरा करने में जुटे रहते हैं। शिक्षण के लिए यहां अनुभवी-गुणी गुरुजन, सुसज्जित कक्षा कक्ष, प्रयोगशालाएं, सभागार, आधुनिक उपकरण, विशाल और हरे-भरे शांत विशाल परिसर में सभी तरह की व्यवस्थाएं-सुविधाएं उपलब्ध हैं।

विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा देने के साथ-साथ व्यक्तित्व निखार की तरफ पूरा ध्यान दिया जाता है। समय-समय पर विषय विशेषज्ञों के विशेष व्याख्यान रखे जाते हैं। खेलों आदि में उनको आगे बढ़ाया जाता है। विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के लिए मंच प्रदान किया जाता है, प्रोत्साहन में कोई कसर बाकि नहीं रखी जाती।

अलग छाप छोड़ रहा है विश्वविद्यालय

टांटिया विश्वविद्यालय का चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा नाम है। आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संकाय की विशिष्ट पहचान है। चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में करीब दो दशक से यह विश्वविद्यालय अपनी अलग छाप छोड़ रहा है। फार्मेसी, नर्सिंग, फिजियोथेरेपी, फिजिकल एज्युकेशन, वेटेनरी साइंस आदि में शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपना भविष्य संवार चुके हैं। फिजिकल एज्युकेशन में बीपीएड, एमपीएड, डीपीएड, एमए (योग) उपलब्ध है। फिजियोथैरेपी, वेटेनरी साइंस सहित अनेक संकायों से निकले कितने ही विद्यार्थी सरकारी, प्रशासनिक सेवाओं आदि में हैं।

ये हैं प्रमुख संकाय

टांटिया विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता, नयापन एवं उपलब्धियों के कारण पूरे देश में विशिष्ट पहचान है। इसके प्रमुख संकायों में आयुर्वेद, होम्योपैथी, फिजियोथेरेपी, नर्सिंग, फार्मेसी, वेटेनरी साइंस, एज्युकेशन, लॉ, एग्रीक्लचर, फिजिकल एज्युकेशन, आर्टस एंड साइंस, कॉमर्स एंड मैनेजमेंट शामिल है। सभी पीजी विभागों में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से पीएचडी भी करवाई जा रही है।

कोरोना काल में विशेष व्यवस्था

डॉ. मुकेश गोयल

टांटिया विश्वविद्यालय के एडमिशन सैल ने कोरोना वायरस (कोविड-19) से बने हालात के बीच प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की है। इसके प्रमुख डॉ. मुकेश गोयल ने बताया कि ऑन लाइन जानकारी भी लगातार उपलब्ध करवाई जा रही है। वेबसाइट के माध्यम से काउंसलिंग की व्यवस्था की गई है, सम्पर्क करने पर एडमिशन सैल की तरफ से स्वयं सम्पर्क साधा जाता है। विद्यार्थियों एवं उनके परिजनों को सही मार्गदर्शन दिया जाता है, उनकी शंकाओं का समाधान किया जाता है। वीडियो कॉल के माध्यम से भी अपेक्षित जानकारियां दी जा रही हैं। डॉ. गोयल के अनुसार प्रवेश के लिए ऑन लाइन आवेदन भी लिए जा रहे हैं। स्केन कर आए आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं और पात्र विद्यार्थियों को प्रोविजनल एडमिशन दिया जा रहा है।

प्रमुख सरकारी संस्थानों-विभागों से स्वीकृत, सम्बद्ध व मान्यता प्राप्त

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से मान्यता प्राप्त टांटिया विश्वविद्यालय देश के प्रमुख सरकारी संस्थानों-विभागों से स्वीकृत, सम्बद्ध एवं मान्यता प्राप्त है। इस सूची में प्रमुख रूप से ऑल इंडिया कौंसिल फॉर टेक्निकल एज्युकेशन (एआईसीटीई), नैशनल कौंसिल फॉर टीचर एज्युकेशन (एनसीटीई), बार कौंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई), फार्मेसी कौंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई), सेंट्रल कौंसिल ऑफ इंडियन मेडिसिन (सीसीआईएम), सेंट्रल कौंसिल ऑफ होम्योपैथी (सीसीएच), इंडियन नर्सिंग कौंसिल (आईएनसी), एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटिज (एआईयू), आयुष मंत्रालय, दी इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपी (आईएपी), सामाजिक न्याय विभाग, मानव संसाधन विकास विभाग आदि शामिल हैं।

दिल के मरीजों के दिल में डॉ. प्रेम मित्तल ने बनाया विशिष्ट स्थान

टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल के श्रीयश में हृदय रोग विभाग की बदौलत लगातार हो रही है बढ़ोतरी

डॉ. प्रेम मित्तल

श्रीगंगानगर।

सुखाडिया मार्ग स्थित टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेम मित्तल ने दिल के मरीजों के दिल में विशिष्ट स्थान बनाया है। हृदय रोग विभाग की सराहनीय सेवाओं के चलते टांटिया हॉस्पिटल के श्रीयश में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। लगभग पांच साल से इसी क्षेत्र में लगातार उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले एमडी, डीएम-कार्डियोलॉजी (एल.पी.एस.आई.सी. कानपुर) डॉ. मित्तल के इस हॉस्पिटल से जुड़ने के बाद हृदय रोग विभाग नई ऊंचाइयां छू रहा है।

अपनी विशेषज्ञता और प्रतिभा के चलते डॉ. प्रेम मित्तल जून माह में दिल के दौरे से जूझने वाले लगभग 15 मरीजों का सफल इलाज कर चुके हैं। इतने ही स्टेबल मरीजों की स्टंटिंग कर चुके। गुरुवार (25 जून) को ग्रामीण क्षेत्र से आए 36 वर्षीय युवक को दिल का ऐसा दौरा आया कि परिजन चार घंटे के अंदर-अंदर लगभग दौड़ते-हांफते हुए उसे टांटिया हॉस्पिटल लेकर आए।

डॉ. मित्तल ने चार घंटे की अथक मेहनत से एक तरह से उसे जीवनदान दिया। हाथ के रास्ते रेडियल रूट से बंद नस को खोला। यह तो एक उदाहरण मात्र है, ऐसे जटिल मामले आए दिन आते हैं और निराशा की आशंका से घिर कर आने वाले मरीज और उनके परिजन स्वस्थ होकर खुशी-खुशी घर लौटते हैं। हाल ही में डॉ. मित्तल के पास बीकानेर से रैफर एक ऐसा मरीज आया, जिसका वाल्व का इलाज चल रहा था। उसकी बारीकी से ईकोकॉर्डियोग्राफी की तो पाया कि वाल्व की दिक्कत नहीं थी। बड़ी नस की एओरिटिक साइनस की बीमारी को उन्होंने ढूंढ़ा और आगे ऑप्रेशन की सही सलाह दी।

हृदय रोग विभाग हॉस्पिटल के अन्य विभागों का सहयोग लेकर मरीजों और उनके परिवार वालों की अपेक्षाओं पर खरा उतर रहा है। प्रशिक्षित एवं अनुभवी नर्सिंग स्टाफ, सभी का दिल जीतने वाला व्यवहार और सबसे बड़ी बात, बहुत कम खर्चे पर इलाज, परिवार जैसा वातावरण।

अत्याधुनिक उपकरण विश्व स्तरीय सुविधा

टांटिया हॉस्पिटल में दिल के रोगियों के लिए विश्वस्तरीय सुविधा उपलब्ध है। अत्याधुनिक उपकरण, अनुभवी विशेषज्ञों की हर वक्त सेवा की वजह से यह दिल के मरीजों की उम्मीदों का सफल केंद्र बन कर उभरा है। भामाशाह योजना में भी इलाज किया जा रहा है।

हॉस्पिटल पूर्णतया वातानुकूलित है। सीसीयू, एन्जियोग्राफी (फीमोरल एंड रेडियल), एन्जियोप्लास्टी, पेसमेकर, एडल्ट ईकोकार्डियोग्राफी, जन्मजात हृदय रोग का इलाज, बच्चों की ईकोकार्डियोग्राफी, बैलून से ह्दय के वाल्व को खोलना, पांव एवं गुर्दे की नसों से एन्जियोप्लास्टी, सी.टी. पलमोनरी, टी.एम.टी., कम्प्यूटराइज्ड ई सी जी, डीजिटल एक्स-रे, हाईटेक लैबोरेट्री आदि की सुविधा हॉस्पिटल में उपलब्ध है। टांटिया हॉस्पिटल में दिल के मरीजों से संबंधित किसी प्रकार की जानकारी या सेवा के लिए अखिल कटारिया से मोबाइल नम्बर-70141-42524 पर तथा सुरेश ग्रोवर से मोबाइल नम्बर-81079-55564 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

टी मीडिया
टांटिया समूह, श्रीगंगानगर का गौरवशाली प्रकाशन

बुधवार, 30 जून 2020 (02)

अनूठे अंदाज में हुआ 'टी मीडिया' के प्रथम अंक का विमोचन

टांटिया समूह के गौरवशाली प्रकाशन इस पाक्षिक डिजिटल बुलेटिन की चहुंओर सराहना

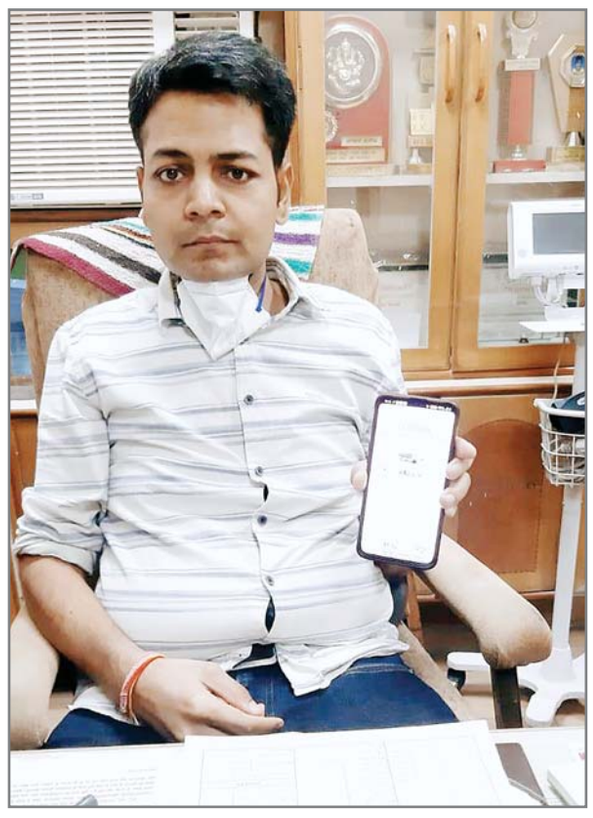

श्रीगंगानगर। टांटिया समूह के पाक्षिक डिजिटल बुलेटिन 'टी मीडिया' के प्रथम अंक का डिजिटल विमोचन समूह के सभी सम्मानित सदस्यों ने अनूठे अंदाज में किया। कोरोना महामारी के प्रकोप को देखते हुए किसी प्रकार के समारोह का आयोजन न कर इस डिजीटल बुलेटिन को लांच भी डिजीटल तरीके से ही किया गया। सभी ने अपने-अपने कंप्यूटर या मोबाइल की स्क्रीन पर 'टी मीडिया' ई-पेपर ऑपन करते हुए अपनी यादगार तस्वीरें कैमरों में कैद की। ऐसे ही कुछ सुनहरे पलों की तस्वीरें यहां प्रस्तुत हैं।

हर रोज हो रही खुशियों की डिलीवरी, गूंजती हैं नवजातों की किलकारियां

जन सेवा हॉस्पिटल का प्रसूति व स्त्री रोग विभाग : मुस्कुराती है नारी शक्ति और परिजन होते हैं प्रसन्न

श्रीगंगानगर।

जन सेवा हॉस्पिटल का प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग अपनी सेवाओं और सफलताओं की बदौलत इलाके में विशिष्ट पहचान बना चुका है। गर्भवती महिलाओं की मुस्कान और परिजनों की प्रसन्नता यहां रोज नजर आती है। चिकित्सक और स्टाफ अपनी कार्यकुशलता और व्यवहार से सभी का दिल भी जीतते हैं।

वरिष्ठ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सुचित्रा जैन के बतौर विभागाध्यक्ष जन सेवा हॉस्पिटल के इस महत्वपूर्ण विभाग से जुड़ने के बाद इसकी महत्ता और बढ़ गई है। वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. स्मृति अरोड़ा की झोली उपलब्धियों से भरी है। यही बात डॉ. कृतिका पौद्दार, डॉ. रीता एवं डॉ. सरिता उपनेजा पर लागू होती है।

हाइ रिस्क, अत्यधिक ब्लड प्रेशर एवं रक्तस्राव वाली ऐसी अनेक गर्भवती महिलाएं जिनका जीवन खतरे में था, न केवल उन्होंने एक तरह से दूसरा जन्म पाया, वे अपने नवजात के साथ खुशी-खुशी घर लौटी हैं।

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग ने अपने यहां जटिल ऑप्रेशनों को सफलता से सम्पन्न कर, खुद की योग्यता एवं विशेषज्ञता को साबित किया है। जुड़वां बच्चों के प्रसव भी करवाए गए हैं। वरिष्ठ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. स्मृति अरोड़ा बताती हैं कि कैसे चार-साढ़े चार किलो वजन के जुड़वां बच्चों का प्रसव सफलता से करवाया गया।

एक केस का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि दाई ने बच्चे को टेढ़ा पाया, गर्भवती की बच्चेदानी फटी हुई थी। काफी जटिल केस था, मेहनत की गई और सफल ऑप्रेशन सम्पन्न हुआ। मां और बच्चा स्वस्थ रहे। प्रसव के दौरान अंदर रक्त जमा मिलने पर भी प्रसव सफलता से करवाए गए हैं।

प्रशिक्षित स्टाफ की सेवाएं

जन सेवा हॉस्पिटल के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में प्रशिक्षित स्टाफ की सेवाएं उपलब्ध हैं। एक दिन में अनेक प्रसव करवाए गए हैं, यह क्रम जारी रहता है। रोजाना काफी संख्या में गर्भवती महिलाएं अपने परिजनों के साथ सामान्य जांच आदि के लिए विभाग में आती हैं।

रियायत दर पर जांच का पैकेज – गर्भावस्था के दौरान जांच का पैकेज रियायती दर पर जन सेवा हॉस्पिटल में उपलब्ध करवाया जा रहा है। खून की जांच, सी.बी.सी., ब्लड ग्रुप, ब्लड शुगर, वी.डी.आर.एल., एच.बी.सी. (एजी), एच.आई.वी., अल्ट्रा सोनोग्राफी, पेशाब की जांच इसमें प्रदान की जा रही है।

ये सुविधाएं उपलब्ध – प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में रूटीन ए.एन.सी, डिलीवरी व सिजेरियन, डी एण्ड सी, बायोप्सी, परिवार नियोजन उपाय, बच्चेदानी के हर प्रकार के ऑप्रेशन, नॉर्मल डिलीवरी, रियायती दरों पर सिजेरियन डिलीवरी, नर्सरी व एनआईसीयू, रियायती दरों पर बच्चों के टीकाकरण की सुविधा आदि उपलब्ध है।

डॉ. स्मृति अरोड़ा

डॉ. कृतिका पोद्दार

टांटिया यूनिवर्सिटी की शान है श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट

अनुभवी व ख्यातनाम होम्योपैथिक विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में तैयार हो रही नई पीढ़ी, दुनियाभर में लहरा रहा परचम

श्रीगंगानगर।

टांटिया विश्वविद्यालय का यश बढ़ाने में इसके श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट की महत्वपूर्ण भूमिका है। सेंट्रल कौंसिल ऑफ होम्योपैथी (सीसीएच) एवं भारत सरकार के आयुष

विभाग से मान्यता प्राप्त इस कॉलेज ने अपना परचम दुनियाभर में ऐसा फहराया है कि इसकी गणना देश के सर्वोत्तम कॉलेजों तथा राजस्थान के सर्वश्रेष्ठ होम्योपैथिक कॉलेज के रूप में होती है। विशेषज्ञों की कार्यकुशलता, विशाल भवन, नवीनतम तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित प्रयोगशालाएं, संग्रहालय आदि के कारण होम्योपैथी में कॅरियर बनाने का ख्वाब देखने वालों की यह पहली पसंद बना हुआ है।

एक से बढ़कर एक, 14 विभाग

कॉलेज में एक से बढ़कर एक उपलब्धियों वाले, 14 विभाग हैं। इनके माध्यम से स्नातक एवं स्नाकोत्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाई जा रही है। एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, पैथोलोजी, होम्यो फार्मेसी, फारेंसिक मेडिसिन या टॉक्सीकोलोजी, ऑर्गेनोन ऑफ मेडिसिन, मेटेरिया मेडिका, होम्यो रेपरटोरी, प्रेक्टिस ऑफ मेडिसिन, सर्जरी, स्त्री रोग एवं कम्यूनिटी मेडिसिन में विशेषज्ञों की देखरेख में विद्यार्थी ज्ञानार्जन कर रहे हैं। उनको विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए हर तरह के उपकरण आदि उपलब्ध हैं।

पारंगत करने पर पूरा जोर

विद्यार्थियों को पारंगत करने पर पूरा जोर रहता है। इसके लिए एनाटॉमी विभाग में 28 शव, 12 विच्छेदित शव, दो ममीदार शरीर बारीकी से अध्ययन के लिए उपलब्ध हैं। वातानुकूलित और विशाल विच्छेदन हॉल है। शरीर के विभिन्न अंगों के नमूने व हर भाग की फोटो, मॉडल, फ्लेक्स चार्ट, व्यक्त और गैर व्यक्त हड्डियों सहित व्यवस्थित नमूनों वाला संग्रहालय है। माइक्रोस्कोप, स्लाइड और लेमिनेटेड पोस्टर के साथ हिस्टोलॉजी लैब, एक्स-रे बॉक्स, सीडी प्लेयर और सीडी के साथ प्रदर्शन कक्ष एवं आईसीटी आधारित क्लास रूम, नवीनतम ग्रंथों और संदर्भ पुस्तकों के साथ पुस्तकालय है।

होता है सुखद आश्चर्य

कॉलेज में दाखिला मिलने वालों को हाइटेक सुविधाओं से युक्त गुणवत्ता की शिक्षा प्राप्त कर सुखद आश्चर्य होता है। यह सुपर स्पेशलिटी अस्पताल से सम्बद्ध है। इनडोर होम्योपैथिक अस्पताल में प्रशिक्षण दिया जाता है। उत्कृष्ट शरीर रचना संग्रहालय, पूरे वर्ष विच्छेदन सुविधा, नवीनतम हाईटेक सुविधा, व्यक्तित्व विकास के लिए नियमित सेमिनार, ट्यूटोरियल कक्षाएं, मेडिकल प्रशिक्षण के लिए नियमित सीएमई कार्यक्रम, सुसज्जित पुनर्वास केंद्र, वाई-फाई सुविधा वाला परिसर, आधुनिक जिम, पाठ्येतर गतिविधियां इसे देश के अन्य कॉलेजों से अलग, विशेष स्थान दिलवाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर की सेमिनार

श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट में अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर की सेमिनार का क्रम जारी है। देश-विदेश के विशेषज्ञ न केवल विद्यार्थियों को नवीनतम बहुपयोगी जानकारियां देते हैं, शंकाओं का समाधान भी करते हैं। कॉलेज में यूजी, पीजी एवं पीएचडी होती है। यहां से निकले विद्यार्थी देश के कई बड़े अस्पतालों एवं रिसर्च सेंटर में सेवाएं दे रहे हैं, केंद्रीय अनुसंधान केंद्र में भी रिसर्च ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं।

नि:शुल्क भर्ती व भोजन की सुविधा

श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट में निःशुल्क भर्ती एवं भोजन की सुविधा भी उपलब्ध है। एक सौ बेड का हॉस्पिटल साथ में है, अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित अंतःरोग एवं बाह्य रोग विभाग एवं रिसर्च क्लिनिक सेवा को तत्पर रहती है। पूरा स्टाफ अनुभवी एवं अपने हुनर में माहिर है। इसी तरह लैब टेक्निशियन आदि तकनीकी रूप से सक्षम हैं।

सामाजिक सरोकारों में सदा अग्रणी

कॉलेज सामाजिक सरोकारों में सदा अग्रणी रहता है। श्रीगंगानगर एवं आस-पास प्रति वर्ष 30 से अधिक निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाए जाते है, चिकित्सा से संबंधित विशिष्ट दिवस पर सेमिनार का आयोजन होता है, कोरोना से बने हालात के बीच इम्युनिटी बूस्टर का निःशुल्क वितरण किया गया है, एसजी होम्योज की तरफ से एल्कोहल बेस सेनिटाइजर, मास्क, जरूरतमंदों को भोजन आदि का वितरण किया गया है।

डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा का मार्गदर्शन

श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट पीजी साइकेट्री डिपार्टमेंट के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में सफलताएं प्राप्त कर रहा है। वे विश्वविद्यालय के एकेडमिक एंड रिसर्च के डायरेक्टर का दायित्व भी बखूबी निर्वहन कर रहे हैं।

प्राचार्य डॉ. चरणजीत सिंह हैं ख्याति प्राप्त

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. चरणजीत सिंह ख्याति प्राप्त हैं। वे बीएससी, बीएचएमएस, एमडी के अलावा कैंसर में पीएचडी हैं। अपनी विशेषज्ञता के कारण उनकी विशिष्ट पहचान है। वे कहते हैं कि कॉलेज योग्य युवा चिकित्सकों की नई पीढ़ी का निर्माण कर रहा है। उप-प्राचार्य डॉ. पीके चक्रवर्ती का योगदान भी अमूल्य है, जिसका लाभ कॉलेज व विद्यार्थियों को निरंतर मिल रहा है।

डॉ. विश्वास ने बनाया है वर्ल्ड रिकॉर्ड

कॉलेज के फैकल्टी मेम्बर डॉ. आर.के. विश्वास ने होम्योपैथी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किए हैं। विश्व में एकमात्र होम्योपैथिक एन्थम बनाने के लिए वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ इंडिया एवं मार्वल्स रिकॉर्ड ऑफ इंडिया में डॉ. विश्वास अपना नाम दर्ज करवा चुके हैं।

फेफड़ों में फंसी सुपारी निकाली मरीज का बंद फेफड़ा भी खोला

श्रीगंगानगर।

टांटिया जनरल हॉस्पिटल की सफलता की सूची का लगातार लम्बी होना जारी है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की मेहनत और विशेषज्ञता के कारण मरीजों और उनके परिजन की उम्मीदें पूरी हो रही हैं। इसी क्रम में हॉस्पिटल के छाती एवं श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक गुप्ता ने एक युवक के फेफड़ों में फंसी सुपारी निकाली। लगभग 25 साल के इस युवक को सांस की तकलीफ के चलते टांटिया जनरल हॉस्पिटल लाया गया था।

डॉ अभिषेक गुप्ता ने 4 घंटे दूरबीन से जटिल ब्रोंकोस्कॉपी के माध्यम से सुपारी निकाली, इसके लगभग दो सौ टुकड़े हो चुके थे। मरीज का बंद फेफड़ा भी खोला गया। मरीज तो अपनी तकलीफ से काफी परेशान था ही, परिजन भी सही इलाज नहीं हो पाने से भारी समस्या से जूझ रहे थे। एक तरफ मरीज की शारीरिक पीड़ा और दूसरी तरफ समय, पैसा और ऊर्जा जाया होने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पाना। टांटिया जनरल हॉस्पिटल के बारे में जब उनको पता चला, बड़ी आशा लिए हुए वे लोग पहुंचे। छाती एवं श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक गुप्ता की पारखी नजर ने परेशानी को पकड़ा। दूरबीन से जटिल ब्रोंकोस्कॉपी की और निराशा के सागर के गोते खाने को मजबूर हो चुके इस मरीज को खुशी-खुशी घर लौटाया।

टांटिया समूह के कोरोना जागरुकता अभियान को मिला अपार समर्थन

राज्य सरकार के आह्वान पर 21 जून से प्रारंभ हुए जागरूकता कार्यक्रमों का समापन

श्रीगंगानगर।

टांटिया समूह के दस दिवसीय कोरोना जागरुकता अभियान (21 से 30 जून) से विशिष्ट जने भी जुड़े। जगह-जगह रखे गए संक्षिप्त कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों को एसजी होम्यो का इम्युनिटी बूस्टर एवं जागरुकता पर्चे वितरित किए गए। टांटिया समूह के प्रमुख जगदीशराय टांटिया, अनिल टांटिया के अलावा संयुक्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष तरसेम गुप्ता, बाबा रामदेव ट्रैक्टर-ट्राली यूनियन के अध्यक्ष साधुराम घडिय़ाव, अनाज मंडी पल्लेदार यूनियन के अध्यक्ष भोलू इन्दौरा, न्यू धान मंडी मजदूर संघ के संरक्षक पूर्व अध्यक्ष किशोरीलाल सिवान, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पुलिस उप अधीक्षक वेदप्रकाश

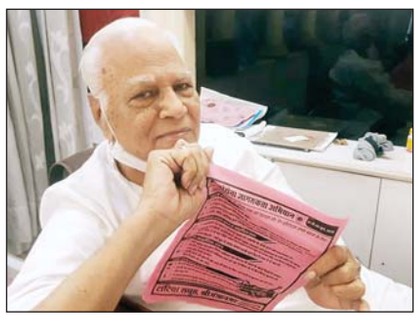

लखोटिया, श्रीगोशाला के अध्यक्ष रमेश खदरिया, एकता मंच के अध्यक्ष रविन्द्र लीला, कोषाध्यक्ष पवन अग्रवाल, कृषि विपणन विभाग के क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक डी.एल. कालवा, मंडी समिति के सचिव एल.आर. खुराना, पर्यवेक्षक हेमराज गुरहानी, महेंद्र गुप्ता, फल-सब्जी फुटकर रेहड़ी यूनियन के अध्यक्ष किशोरीलाल पचेरवाल, आढ़तिया संघ के उपाध्यक्ष सुरेंद्र सचदेवा, महामंत्री प्रशांत कालड़ा, वृंदावन विहार सोसायटी के अध्यक्ष विनोद बिहाणी, कोषाध्यक्ष रिशु सनेजा, पवन अग्रवाल, कच्चा आढ़तिया संघ के पूर्व मंत्री राकेश बोरड़, बार संघ के अध्यक्ष एडवोकेट विजय रेवाड़, मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के जिला महामंत्री सोहन सिंह चौहान, सहायक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष गोपीराम आदि की सहभागिता रही। सभी ने टांटिया समूह के सामाजिक सरोकारों की सराहना की।

अंतरराष्ट्रीय बहु विषयक वेबिनार का सफल आयोजन

श्रीगंगानगर।

टांटिया विश्वविद्यालय (टीयू) के परीक्षा नियंत्रण डॉ. राजेंद्र गोदारा अंतरराष्ट्रीय बहु विषयक वेबिनार में शामिल हुए। भिवानी न्यूज एवं बृजलोक कला साहित्य संस्कृति अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में नव विमर्श- इक्कीसवीं सदी विषय पर देश-विदेश के विद्वानों ने विचार प्रस्तुत किए। डॉ. गोदारा ने जीवन में शिक्षा के महत्व को बताते हुए कहा कि सदैव शिक्षा प्राप्ति की तरफ अग्रसर रहना चाहिए। शिक्षा ही एकमात्र एक ऐसा धन है जिसको कोई चुरा नहीं सकता।

डॉ. विजय महादेव गाडे, डॉ. रेखा सोनी, साहित्यकार राकेश शंकर भारती यूक्रेन, डॉ. मो. रियाज खान, डॉ. विनोद तनेजा, डॉ. मंजू चौहान, डॉ. सुशीला आर्य आदि की सहभागिता रही। वेबिनार के मुख्य डॉ. नरेश सिहाग एडवोकेट ने कहा कि ऐसे आयोजन होते रहने चाहिए, इस बहाने एक-दूसरे से जुड़कर विचारों का आदान-प्रदान किया जा सकता है। विनोद कुमार, संदीप सिंह व मुकेश ऋषि वर्मा ने सभी का आभार जताया।

आयुर्वेद कॉलेज में आचार्य चरक की विशाल प्रतिमा का अनावरण

श्रीगंगानगर।

टांटिया विश्वविद्यालय के श्रीगंगानगर कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंस एण्ड हॉस्पिटल में आचार्य चरक की विशाल प्रतिमा का अनावरण मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन श्रीमती सुनीता टांटिया एवं विशिष्ट अतिथि प्रसिडेन्ट प्रो. (डॉ.) एम.एम. सक्सैना, श्रीमती नीना अग्रवाल, डॉ. विशु टांटिया, रिसर्च डायरेक्टर डॉ. प्रवीण शर्मा, अतिरिक्त निदेशक पवन गुप्ता ने किया।

कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुभाष उपाध्याय ने स्वागत किया। डॉ. सागरिका जग्गी एवं डॉ. पूनम भोजक ने अतिथियों के तिलक लगाया। डॉ. ओमप्रकाश शर्मा ने पूजा अर्चना करवाई। विभिन्न संकायों सहित आयुर्वेद संकाय के डीन डॉ. अजय शर्मा आदि मौजूद रहे।

ख्यातनाम मानसिक रोग विशेषज्ञ दिवंगत डॉ. श्यामसुन्दर टांटिया जी का टांटिया यूनिवर्सिटी कैम्पस में स्थित पुण्य स्मृति स्थल।

टी-क्लिक

टी-क्लिक : टांटिया समूह के किसी भी संस्थान की उपलब्धियों, सेवाओं, सुविधाओं अथवा इंफ्रास्ट्रक्चर को दर्शाती हुई एक तस्वीर को हर बार आपके सौजन्य से 'टी-क्लिक' के तहत प्रकाशित किया जाएगा। यदि आप भी फोटोग्राफी में रूचि रखते हैं तो उठाइए कैमरा और ऐतिहासिक पलों को दर्ज कर हमें अपने नाम व विवरण के साथ ई-मेल (tmedia@tantiauniversity.com) पर भेज दीजिए।

सफल वैज्ञानिक, कुशल प्रशासक और बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी हैं टीयू के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) एम.एम. सक्सेना

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी (टीयू) के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) एम.एम. सक्सेना सफल वैज्ञानिक, कुशल प्रशासक और बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी हैं। श्री सक्सेना जोधपुर विश्वविद्यालय में अध्ययन के दौरान प्राणी विज्ञान में एमएससी के अंतर्गत पर्यावरण जीव विज्ञान में स्वर्ण पदक विजेता रहे। भारतीय मरूस्थलों की जल जैविकीय स्थिति विशेष रूप से मीठे पानी के स्पंज, प्रदूषण पारिस्थितिकी, मत्स्य पालन, सूक्ष्मजीव विज्ञान, कीट विज्ञान, वन्य जीवन, परजीव विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

जोधपुर मूल के श्री विष्णुमित्र सक्सेना के सुपुत्र प्रो. सक्सेना जहां-जहां रहे, सफलता के सोपान चढ़ते गए। स्कूली शिक्षा जयपुर एवं जोधपुर से प्राप्त की, उसके बाद पीएचडी तक की उच्च शिक्षा जोधपुर में हासिल की। टीयू में आपके नेतृत्व में यादगार प्रथम दीक्षांत समारोह हुआ है, वार्षिक प्रतिवेदन भी प्रकाशित करवाए हैं। साथ ही, कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय अकादमिक संगोष्ठियों का भी आयोजन करवाया। विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वसनीय शिक्षा के क्षेत्र में अलग पहचान बनाई

प्रो. (डॉ.) एम.एम. सक्सेना

है। प्रो. सक्सेना ने भारतीय प्राणी सर्वेक्षण से अपने कॅरियर की शुरूआत की, अवसर मिला तो शिक्षण कार्य में प्रतिनियुक्ति पर ऐसे गए कि दिल इसी में रम गया। इस्तीफा दिया और राज्य सेवा में व्याख्याता के रूप में चयनित हुए। एक शिक्षक के रूप में यादगार यात्रा के दौरान वर्ष 1984 में एक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका की शुरूआत की, इसकी वजह से प्रो. सक्सेना को दुनिया भर के विषय विशेषज्ञों के दिलों में जगह मिली। उस समय इंटरनेट नहीं था, आईएसएसएन नम्बर पेरिस से लिया, खूब मेहनत की, विदेशी विशेषज्ञों तक से पत्राचार करते, इस पत्रिका ने विश्व भर में अच्छी पहचान दिलाई।

प्रो. सक्सेना के कुशल मार्गदर्शन में 22 पीएचडी और 26 एमफिल हो चुकी हैं। आप सात पुस्तकों के रचयिता हैं। हाल ही में इनकी पुस्तक 'वैटलैण्ड्स ऑफ द इंडियन डेजर्ट' का बैंगलोर में विमोचन किया गया। डेढ़ सौ से अधिक शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके। कॉलेज शिक्षा के अंतर्गत चार महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट लिए, शोध शुरू करवाया। आप नोर्थ-इस्ट हिल यूनिवर्सिटी के रिसर्च बोर्ड में सदस्य रहे हैं। विभिन्न विश्वविद्यालयों में पर्यावरणीय विज्ञान, प्राणी विज्ञान, मत्स्य पालन एवं सम्बद्ध विषयों के प्रो. सक्सेना संदर्भ व्यक्ति और परीक्षक रहे हैं।

जीवन का फलसफा : काम के प्रति निष्ठा और ईमानदारी सर्वोपरि

'काम के प्रति निष्ठा और ईमानदारी सर्वोपरि है। प्रतिस्पर्धा स्वयं से और प्रतिद्वन्दिता किसी से नहीं। व्यक्ति को अपनी पहचान खुद बनानी पड़ती है, समाज सफलता-असफलता का आंकलन करता है। जिस संस्था से जुड़े हैं, उससे बड़े नहीं हो सकते, 100 प्रतिशत संस्था के लिए दिया जाना चाहिए, समर्पण भाव रहना चाहिए।'

- प्रो. (डॉ.) एम.एम. सक्सेना, अध्यक्ष, टांटिया यूनिवर्सिटी, (टीयू), श्रीगंगानगर।

काम, काम और काम

प्रो. सक्सेना ने बीकानेर के महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में सेवा के दौरान एक समय में अनेक महत्वपूर्ण दायित्व एक साथ बखूबी संभाले। विज्ञान संकाय के डीन एवं पर्यावरण विज्ञान के विभागाध्यक्ष, परीक्षा नियंत्रक, शोध निदेशक, यूजीसी नेट कोर्डिनेटर आदि के रूप में अविस्मरणीय कार्य किया। परीक्षा नियंत्रक के रूप में लगभग पौने चार लाख परीक्षार्थियों की 150 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा किसी चुनौती से कम नहीं थी लेकिन आप ने व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न करवाई। रिसर्च ओर्डिनेन्स लिखा, नियम बनाए।

पहली तनख्वाह और टाइपराइटर

प्रो. सक्सेना का पसन्दीदा क्षेत्र अच्छा शिक्षण और शोध रहे हैं। सरलता, मिलनसारिता एवं विनम्रता ऐसी कि जो भी इनसे मिलता है, इन्हीं का होकर रह जाता है। लेखन और स्वाध्याय से गहरे जुड़ाव के चलते पहली तनख्वाह से टाइपराइटर खरीदा, खूब काम किया। इस टाइपराइटर को उन्होंने आज तक संभाल कर रखा है। उनका मानना है कि टीम लीडर की कार्यशैली का बहुत महत्व होता है, टीम वर्क से ही अपेक्षित सफलता मिलती है।

लेखन, साहित्य और कला से गहरा जुड़ाव

प्रो. (डॉ.) सक्सेना का लेखन, साहित्य और कला से भी गहरा जुड़ाव है। कहानीकार के रूप में आपकी विशिष्ट पहचान है, उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद के पुत्र श्रीपतराय के इलाहाबाद के सरस्वती प्रकाशन की 'कहानी' पत्रिका में कहानी प्रकाशित हो चुकी है। हिन्दी साहित्य की विख्यात पत्रिका 'मधुमती' में प्रकाशित हुई आपकी कहानी 'पकड़' पुरस्कृत हुई। कहानी 'थार' से आपकी प्रतिभा ने अलग पहचान और सराहना पाई।

नशा मुक्ति दिवस पर हुए आयोजन

होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज

श्रीगंगानगर।

अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस (26 जून) के उपलक्ष्य में

जेआर टांटिया नशामुक्ति एवं पुर्नवास केंद्र में एक जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। केंद्र के प्रभारी डॉ. मनीष अरोड़ा ने सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। इस चेतना को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए गोष्ठी की एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल की गई, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग लाभान्वित हों। इसी तरह, एक ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम, पीजी साइकेट्री विभाग, श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, टांटिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया। डॉ प्रवीण शर्मा, एचओडी, होम्योपैथिक साइकेट्री विभाग, प्रिंसिपल डॉ चरणजीत सिंह और वाइस प्रिंसिपल डॉ. पीके चक्रवर्ती और डॉ आरके विश्वास द्वारा नशीली दवाओं के शरीर व दिमाग पर दुष्प्रभाव तथा नशे के घातक प्रभावों से होने वाले मानसिक रोगों के बारे में विस्तृत रूप से बताया। वेबिनार के अंत में छात्रों और स्टाफ सदस्यों द्वारा कभी भी नशीली दवाओं के सेवन ना करने की और इस बारे में जनता को जागरूक करने के हेतु ऑनलाइन प्रतिज्ञा ली गई।

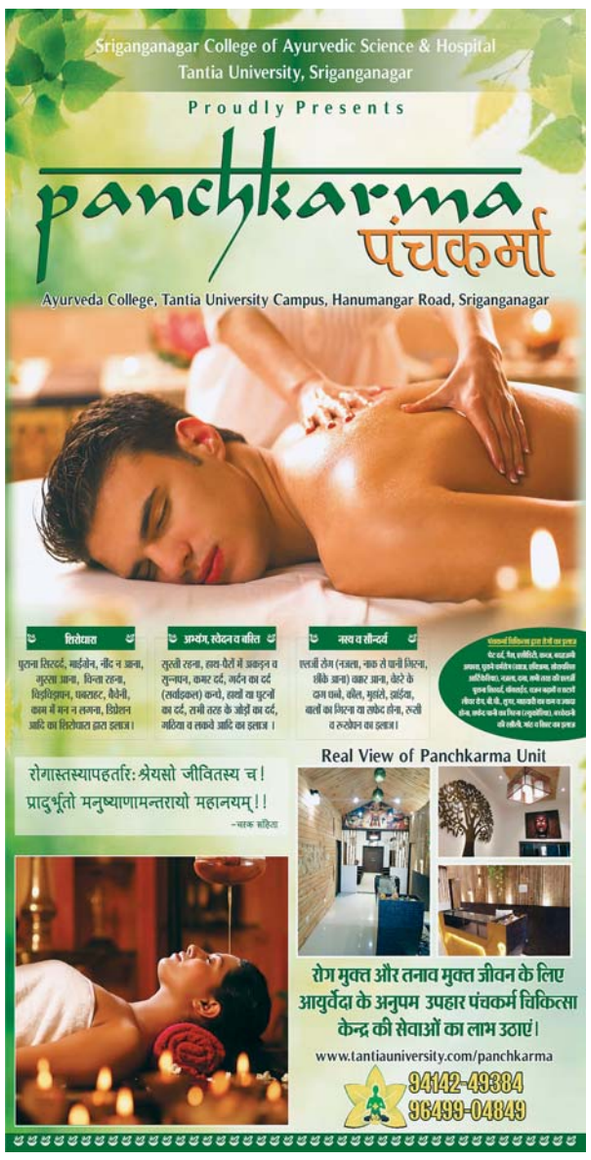

रोटरी क्लब सिटी ने जनसेवा हॉस्पिटल को भेंट किया वेंटिलेटर

श्रीगंगानगर।

जन सेवा हॉस्पिटल ने जन-जन के मन में स्थान बनाया है। रोटरी क्लब सिटी की तरफ से रविवार को हॉस्पिटल को एक वेंटिलेटर भेंट करते समय वक्ताओं ने यह बात कही। उन्होंने टांटिया समूह की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सामाजिक सरोकारों में अग्रणी है। हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. मोहित टांटिया, अतिरिक्त निदेशक पवन गुप्ता एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह को क्लब के डीआरएफसी व पूर्व जिला प्रांतपाल अश्विनी सचदेवा, रोटरी सिटी के अध्यक्ष रायसिंह कुल्डिया, पूर्व अध्यक्ष वेदप्रकाश लखोटिया, दीनदयाल गुप्ता एवं डॉ.एस.एम. लाहिड़ी, सचिव अतिन लीला, आगामी सचिव डॉ. मनोज गर्ग ने वेंटिलेटर भेंट किया। इस मौके पर टांटिया समूह के मीडिया हेड डॉ. विकास सचदेवा, आईईसी कोर्डिनेटर राजकुमार जैन आदि भी मौजूद थे।वक्ताओं ने कहा कि जन सेवा हॉस्पिटल में कोविड-19 के अंतर्गत क्वारेंटाइन सेंटर, आइसोलेशन वार्ड एवं आईसीयू चल रहा है। टांटिया विश्वविद्यालय परिसर में कोविड केयर सेंटर प्रस्तावित है। ऐसी सुविधा और उल्लेखनीय सेवा वाला यह इलाके का निजी क्षेत्र का एक मात्र स्थान है। हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. टांटिया ने रोटरी सिटी का आभार जताते हुए कहा कि सभी के सहयोग से सामाजिक सरोकारों में पूरी तरह सक्रियता इसी तरह जारी रहेगी।

पुण्य स्मृति
श्रद्धेय डॉ. श्यामसुन्दर टांटिया

मार्गदर्शक
डॉ. विशु टांटिया

मुख्य सम्पादक
डॉ. विकास सचदेवा (मो. : 9461221718)

कार्यकारी सम्पादक
राजकुमार जैन (मो. : 8005519250)

पुण्य स्मृति
श्रद्धेय श्रीमती शकुन्तला देवी टांटिया

टांटिया समूह द्वारा जनहित में निःशुल्क प्रसारित-प्रचारित। सर्वाधिकार सुरक्षित। बिना अनुमति, दुर्भावनावश, किसी भी अंश को कांट-छांटकर या सौजन्य उल्लेख के बिना उपयोग में लाए जाने पर दण्डनीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। - मुख्य सम्पादक
मुख्य कार्यालय : टी मीडिया, द्वितीय तल, जन सेवा हॉस्पिटल, टांटिया विश्वविद्यालय परिसर, हनुमानगढ़ मार्ग, श्रीगंगानगर-335002